Rapid Fire करेंट अफेयर्स (28 March)

- भारत और अमेरिका ने एक महत्त्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर कयि हैं। यह समझौता भारत और अमेरिका के बीच**अंतर-सरकारी एग्रीमेंट (Inter-Governmental Agreement)** है। इसके बाद दोनों देशों के बीच **कंट्री-बाइ-कंट्री (CbC)** रपिोर्टों का आदान-प्रदान सुगमता से हो सकेगा। इसका सीधा लाभ देनों देशों में मौजूद बहुराष्ट्रीय कंपनयिों को मलिगा। इस समझौते के साथ **द्वपिक्षीय सक्षम प्राधकिरण** की व्यवस्था भी भारत-अमेरिका के बीच लागू हो जाएगी। यह समझौता 1 जनवरी, 2016 को या उसके बाद संबंधति न्यायालयों में बहुराष्ट्रीय कंपनयिों की अंतमि मूल संस्थाओं द्वारा दायर CbC रपिोर्टों पर लागू होगा। आपको बता दें कि ट्रांसफर प्राइसगि डॉक्यूमेंटेशन और CbC रपिोर्टगि, बहुराष्ट्रीय उद्यमों (MNEs) को सालाना रपिोर्ट दायर करने तथा प्रत्येक कर-क्षेत्र के लयि एक रूपरेखा प्रदान करती है। इसमें वे व्यापार की जानकारी साझा करते हैं।
- **भारत और दक्षणि कोरयिा** के बीच इसी वर्ष फरवरी में **स्टार्टअप सहयोग** पर हुए समझौते को भारत सरकार ने मंज़ूरी दे दी है। इस समझौते से दोनों देशों के स्टार्टअप उद्योगों के बीच द्वपिक्षीय सहयोग बढ़ाने में आसानी होगी और इसे बढ़ावा मलिगा। यह दोनों देशों के राष्ट्रीय कानूनों और नयिमों तथा प्रभावी अंतर्राष्ट्रीय संधयिों और समझौतों पर आधारति होगा। इसका उद्देश्य दोनों देशों के स्टार्टअप के बीच सहयोग को प्रोत्साहति करना और भारत में एक कोरयिा स्टार्टअप सेंटर की स्थापना करना है ताकि स्टार्टअप कंपनयिों के वचिार, तकनीक और डज़िाइन का वाणज्यिीकरण कयिा जा सके।
- **मादक पदार्थों की तस्करी** की रोकथाम के लयि **भारत और इंडोनेशयिा** मलिकर काम करने पर सहमत हो गए हैं। इस मुद्दे पर दोनों देशों के बीच हुआ MoU अमल में आ गया है। इस समझौते से मादक पदार्थों के नयिमन तथा मादक पदार्थों की तस्करी से नपिटने के लयि परस्पर सहयोग में मदद मलिगी। आपको बता दें कि भारत ने 37 देशों के साथ ऐसी संधयिों/सहमति पत्रों/समझौतों पर हस्ताक्षर कयि हैं। इस सहमति पत्र के तहत सहयोग के रूप में मादक पदार्थों, नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी और इनकी आवाजाही से नपिटने में दोनों देशों के राष्ट्रीय कानूनों के मौजूदा वैधानकि प्रावधानों पर आधारति ववरिण का आदान-प्रदान कयिा जाएगा। इसके अलावा दोनों देश मादक पदार्थों, नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी और इनकी आवाजाही तथा अनवार्य रसायनों, धनशोधन (मनी लॉन्डरगि) के काम में शामलि लोगों की पहचान करने की दृष्टि से नयिंत्रति वतिरण संचालन प्रक्रयिा अपनाकर एक-दूसरे को अनुमति देंगे और सहायता करेंगे। इसमें प्राप्त सूचनाओं और दस्तावेजों की गोपनीयता कायम रखने का प्रावधान भी कयिा गया है।
- स्कैंडनिवयिाई देश **नॉर्वे** की राजधानी ओस्लो इलेक्ट्रकि टैक्सयिों के लयि **वायरलेस चार्जगि** की सुवधिा उपलब्ध कराने वाला दुनयिा का पहला शहर बन गया है। नॉर्वे सरकार ने एक प्रोजेक्ट के तहत ओस्लो शहर की सड़कों पर **इंडक्शन टेक्नोलॉजी** के साथ चार्जगि प्लेट इंस्टॉल कयिा है, जहां इलेक्ट्रकि कार को चार्ज कयिा जा सकता है। कुल 52 लाख जनसंख्या वाले नॉर्वे में वहाँ की सरकार ने देश को प्रदूषण मुक्त बनाने के लयि एक प्रोजेक्ट तैयार कयिा है। वहाँ इलेक्ट्रकि कार चार्जगि स्टेशन का पुख्ता इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराकर लोगों में इलेक्ट्रकि कार खरीदने को बढ़ावा देने के लयि टैक्स और अन्य छूट दी जाती है। इसी का नतीजा है कि 2018 में नॉर्वे में 46,143 नई इलेक्ट्रकि कारों की बक्रिी हुई। आज नॉर्वे दुनयिा में सबसे अधकि इलेक्ट्रकि कारें रखने वाला देश है और वहाँ 2023 तक शून्य उत्सर्जन प्रणाली कायम करने का लक्ष्य रखा गया है।
- हाल ही में संयुक्त अरब अमीरात के दुबई में **वशि्व के सबसे बड़े ई-वेस्ट रसिाइक्लगि (पुनर्चक्रण) हब** की शुरुआत हुई। एनवायरोसर्व कंपनी द्वारा दुबई इंडस्ट्रयिल पार्क में खोले गए ई-वेस्ट रसिाइक्लगि प्लांट पर 5 मलियिन डॉलर की लागत आई है। यहाँ Waste Electrical and Electronic Equipment (WEEE), IT Asset Disposition (ITAD), कोल्ड गैस और वशिेष प्रकार के वेस्ट का पुनर्चक्रण कयिा जाएगा। इस रसिाइक्लगि हब की प्रसंस्करण क्षमता 100,000 टन प्रतवर्ष है, जसिमें से 39 हज़ार टन ई-वेस्ट होगा। यह परयिोजना**स्वसि गवर्नमेंट एक्सपोर्ट फाइनेंस एजेंसी** द्वारा समर्थति है। जब हम इलेक्ट्रॉनकि उपकरणों को लंबे समय तक प्रयोग करने के पश्चात उसको बदलने/खराब होने पर दूसरा नया उपकरण प्रयोग में लाते हैं तो निष्प्रयोज्य खराब उपकरण को ई-वेस्ट कहा जाता है। इसमें कंप्यूटर, मोबाइल फोन, प्रटिंर्स, फोटोकॉपी मशीन, इन्वर्टर, यूपीएस, एलसीडी/टेलीवज़िन, रेडयिो/ट्रांज़स्टिर, डजिटिल कैमरा आदि शामलि हैं।
- **केन्या** के वज्ञािन शक्षिक पीटर तबीची को **ग्लोबल टीचर प्राइज़** दयिा गया है। यह पुरस्कार पाने वाले वह पहले अफ्रीकी हैं। दुबई में हुए समारोह में **पीटर तबीची** को लगभग सात करोड़ रुपए बतौर पुरस्कार दयि गए। उन्हें इस पुरस्कार के लयि 10 हज़ार अन्य आवेदक शक्षिकों में से चुना गया। वह अपनी आय का 80 % हस्सिा केन्या के गाँव पवािनी के अनाथ और गरीब बच्चों की पढ़ाई के लयि देते हैं। पवािनी केन्या का ऐसा इलाका है, जहाँ का हर तीसरा बच्चा अनाथ है या उसके माता-पिता में से कोई एक जीवति नहीं है। यह इलाका प्रायः सूखाग्रस्त रहता है। पीटर तबीची जसि स्कूल में पढ़ाते हैं, उसमें संसाधन के नाम पर एक कंप्यूटर और बीच-बीच में कट जाने वाला इंटरनेट कनेक्शन और कुछ मेज़-कुर्सयिाँ ही हैं। इसके बावजूद वे 11 से 16 वर्ष तक के बच्चों को पढ़ाते हैं। आपको बता दें कि ग्लोबल टीचर प्राइज़ शक्षिकों को दयि जाने वाले दुनयिा के बड़े अवॉर्ड में से एक है। यह पुरस्कार हर साल शैक्षणकि संस्थान **वर्के फाउंडेशन** (Verkey Foundation) द्वारा दयिा जाता है।
- प्रख्यात साहत्यिकार और सामाजकि कार्यकर्त्ता **रमणकिा गुप्ता** का दल्लिी में 89 वर्ष की अवस्था में नधिन हो गया। वह साहत्यि, समाजसेवा और राजनीति सहति कई क्षेत्रों से जुड़ी हुई थीं। उन्होंने स्त्री वमिर्श पर बेहतरीन काम कयिा और वह सामाजकि सरोकारों की पत्रकिा 'युद्धरत आम आदमी' की संपादक भी थीं। उन्होंने झारखंड के हज़ारीबाग के कोयलांचल से मजदूर आंदोलनों को साहत्यि के ज़रयि राष्ट्रीय स्तर पर पहुँचाने का काम कयिा। बहािर वधिानसभा और वधिान परषिद् में वधियिक रही रमणकिा गुप्ता की आत्मकथा **'हादसे और आपहुदरी'** बेहद लोकप्रयि पुस्तक मानी जाती है। इसके अलावा, उनकी प्रमुख रचनाओं में 'भीड़ सतर में चलने लगी है', 'तुम कौन', 'तलि-तलि नूतन', 'मैं आजाद हुई हूं', 'अब मूरख नहीं बनेंगे हम', 'भला मैं कैसे मरती', 'आदम से आदमी तक', 'वज्ञािपन बनते कवि', 'कैसे करोगे बँटवारा इतहिास का', 'दलति हस्तक्षेप', 'नजि घरे परदेसी',

‘सांप्रदायकिता के बदलते चेहरे’, ‘कलम और कुदाल के बहाने’, ‘दलति हस्तक्षेप’, ‘दलति चेतना- साहत्यिकि और सामाजकि सरोकार’, ‘दक्षणि- वाम के कठघरे’ और ‘दलति साहत्यि’, ‘असम नरसंहार-एक रपट’, ‘राष्ट्रीय एकता’, ‘वघिटन के बीज’ शामलि हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-march-28